आदर्श प्रश्न- पत्र - 4

संकलित परीक्षा - I

विषय - हिंदी 'ब'

कक्षा - दसवी

निर्धारित समय: 3 घण्टे **अधिकतम अंक: 90**

निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड है -
   खंड क- **20 अंक**
   खंड ख- **15 अंक**
   खंड ग - **30 अंक**
   खंड घ - **25 अंक**
2. चारो खंडो के प्रश्नो के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए -**

अभी 26 जनवरी को ही हमने अपने सर्वप्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्र राज्य के स्थापना-दिवस की वर्षगाँठ मनाई | उस दिन की, जिस दिन भारत ने स्वतंत्र होने की दृढ़ प्रतिज्ञा की और जिस दिन भारत ने अपने सर्वप्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्र राज्य होने कि घोषणा की | और, फिर चार ही दिन बबाद हमने अपने बापू की बरसी मनाई, उस बापू की जिसने हमें स्वतंत्रता की शपथ लिवाई, जिसने हमें स्वतंत्रता दिलाई| आज हम हैं, हमारी स्वतंत्रता भी है, किंतु हमारे बापू नहीं हैं ..... 30 जनवरी कि मनहूस संध्या को मैं बनारस स्टेशन पर रेल से उतरा ही था कि वहीं बापू के निधन का समाचार मिला | वह समाचार था कि जंगल कि आग थी - दहकती, लहकती चारों ओर बढ़ी चली जा रही थी | जो लोग इक्कों, ताँगों और रिक्शों पर बैठ चुके थे, वे सभी इक्के, ताँगे और रिक्शे छोड़-छोड़ कर पैदल चलने लगे | सामान्य लोगों का निधन होता है तो उनके संबंधी ही रोते हैं | बापू का निधन हुआ तो उनके संबंधी-असंबंधी सभी रोए | देवदास गांधी से भी अधिक ऐसे लोग रोए, जिन्होंने कभी बापू को देखा तक नहीं था | और लोगों का निधन होता है तो उनके प्रशंसक ही रोते हैं, बापू का निधन हुआ तो उनके आलोचक ही नहीं निंदक भी रोए | और लोगों का निधन होता है तो उनके अपने धर्म वाले ही रोते हैं, बापू का निधन हुआ तो हिन्दू-मुसलमान सभी रोए, छाती पीट-पीट कर रोए | और लोगों का निधन होता है तो उनके देशवाल ही रोते हैं, बापू का निधन हुआ तो अंग्रेज़ भी रोए, जिनकी सरकार को बापू ने 'शैतानी सरकार' कहा था |

ये सभी क्यों रोए? और इतना अधिक क्यों रोए? क्योंकि 'बापू' मानवता के धनी थे | हर दो हाथ, दो पैर वाले पशु को हम आदमी समझने की गलती करते हैं - 'मानव' मान लेते हैं | हर दो हाथ, दो पैर वाला पशु मानव नहीं होता | स्वामी रामतीर्थ ने आदमियों के चार प्रकार बताए हैं - 1. जड़-मानव, 2. वनस्पति-मानव, 3. पशु-मानव और 4. मानव-मानव | जो व्यक्ति केवल अपनी ही चिंता करता है, अपने से बाहर कुछ सोच ही नहीं सकता, वह 'जड़-मानव' है | जो अपने साथ अपने परिवार वालों, अपने नगरवालों की भी चिंता करता है, वह 'वनस्पति-मानव' है | जो अपने साथ अपने परिवार और नगर के

लोगों तथा अपने देश के साथ-साथ 'मानवमात्र' कि ही नहीं 'प्राणिमात्र' की भी चिंता करता है, वही मानव-मानव है |

जो लोग बापू कि राजनीति से सहमत नहीं रहे अथवा मेरी तरह जो राजनीति को विशेष समझते भी नहीं रहे, वैसे लोगों पर भी बापू कि 'शालीनता' बापू कि 'मानवता' जादू-सा असर करती थी | मेरी ही एक दिन कि आपबीती सुनिए -6 दिसंबर सन् 1945 कि शाम को मैं बापू की व्यस्तता का ख्याल कर उनकी कुटिया के भीतर पैर रखने में हिचकिचा रहा था | आवाज़ सुनाई दी- "आइए, आइए !" मैं भीतर चला गया |

"अब आप यहाँ रहने के लिए आए हैं | एक महीना, दो महीने, चार महीने, जितना रह सकें |" "हाँ बापू, जितने दिन वर्धा में रहूँगा, यहीं रहने की कोशिश करूँगा |" दो-चार और बातें करने के अनंतर बापू बोले, "अच्छा तो भोजन की घंटी बज गई है | पहले जाकर भोजन कर लीजिए |" सेवाग्राम में भोजन के समय भोजन करने पर दूसरे दिन तक उसी प्रकार इंतज़ार करना पड़ता था, जैसे रेलगाड़ी छुट जाने पर फिर दूसरी गाड़ी का | "भोजन तो मैं नहीं करूँगा बापू, थोड़ा दूध पी लूँगा |" श्रीमन्नारायण जी को इशारा हो गया और मुझे उनके साथ वैसे ही जाना पड़ा जैसे किसी कैदी को सिपाही के साथ | यह थी प्रेम कि कैद | लौटा तो बापू को बुरी तरह व्यस्त पाया | एक के बाद दूसरी समस्या निबटाई जा रही थी | आपसी बात कहने का आग्रह रखने में अपना ही मन संकोच मानता था | तब डॉ. सुशीला नय्यर ने धीरे से सलाह दी, "बापू जी, अब जैसे भी हो मौन ले लें |" "नहीं, वह तो नहीं हो सकता |" "बापू ! स्ट्रेन बढ़ जाएगा |" "जिनको समय दिया जा चुका है, उनको समय देना तो धर्म है, वह कैसे तोड़ा जा सकता है ?"

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए |

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए |

(ख) बापू के निधन का समाचार कब और कहाँ मिला?

(ग) बापू के निधन का उन लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा जो इक्कों, ताँगों और रिक्शों में बैठ चुके थे?

(घ) मानव-मानव किसे कहा गया है?

(ड) 6 दिसंबर सन् 1945 कि शाम लेखक बापू की कुटिया के भीतर पैर रखने में क्यों हिचकिचा रहा था?

(च) सेवाग्राम में समय पर बोजन न करने का क्या परिणाम होता था?

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।**

हम जंग न होने देंगे !
विश्व-शांति के हम साधक हैं, जंग न होने देंगे !
कभी न खेतों में फिर खूनी खाद फलेगी,
खलिहानों में नहीं मौत की फ़सल खिलेगी
आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा,
एटम में नागासाकी फिर नहीं जलेगी,
युद्धविहीन विश्व का पना भंग न होने देंगे |
जंग न होने देंगे |
हथियारों के ढ़ेरों जिनका है डेरा,
मुँह में शान्ति, बगल में बम, धोखे का फेरा
कफन बेचने वालों से कह दो चिल्लाकर

दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा
कामयाब हो उनकी चालें, ढंग न होने देंगे |
जंग न होने देंगे |
हमें चाहिए शांति, जिंदगी हमको प्यारी
हमें चाहिए चाहिए शांति सृजन की है तैयारी
हमें छेड़ी जंग भूख से, बीमारी से
आगे आकर हाथ बटाए दुनिया सारी |
हरी-भरी धरती को खूनी रंग न लेने देंगे |
जंग न होने देंगे |
भारत-पाकिस्तान पड़ोसी, साथ-साथ रहना है,
प्यार करें या वार करें, दोनों को ही सहना है,
तीन बार लड़ चुके लड़ाई, कितना महँगा सौदा,
रूसी बम हो या अमेरिकी, कहना एक बहना है |
जो हम पर गुजरी बच्चों के संग न होने देंगे |
जंग न होने देंगे |

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें |

(क) 'एटम-बम से नागासाकी फिर नहीं जलेगी' - का भाव स्पष्ट कीजिए |

(ख) कफ़न बेचने वालों के दो अन्य कार्य क्या हैं? उल्लेख करें |

(ग) कवि विश्व-शांति की बात क्यों कर रहा है?

(घ) भूख और बीमारी-दुनिया की सबसे बड़ी समस्या है, जिससे जंग छेड़ने की आवश्यकता है - भाव से संबंधित पंक्ति बताएँ |

खण्ड - ख

(व्याकरण)

3. **निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।**

(क) मोहित ऐसे चल रहाथा जैसे कोई बीमार चलता है | मिश्र वाक्य से सरल वाक्य में बदलें |

(ख) यदि वह आए, तुम छिप जाना | मिश्र वाक्य से सरल वाक्य में बदलें |

(ग) जब उसने मुझे देखा, तो खिसक गया | मिश्र वाक्य से संयुक्त वाक्य में बदलें |

(घ) जैसे ही मैंने दूध पीया, वैसे ही मैं सो गया | मिश्र वाक्य से संयुक्त वाक्य में बदलें |

4. **निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का समास बताइए |**

(क) देवों के देव हैं <u>महादेव</u>

(ख) उसने अपनी <u>आप बीती</u> सुनाई |

(ग) आगे जाकर <u>घुड़सवार</u> गिर पड़ा|

(घ) सब कुछ <u>भाग्याधीन</u> नहींहै|

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से मुहावरे छाँटिए |**

(क) मंदी ने ऐसा रंग दिखाया कि लोग खाना ही भूल गए |

(ख) सरकार की ऋण माफ़ी योजना ठंडी पड़ती दिख रही है |

(ग) कश्मीर में आतंकियों का सुराग नहीं मिल रहा है |

(घ) सांप्रदायिकता एवं जातिवाद ने देश के लोगों के बीच दीवार खड़ी कर दी है |

6. **निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।**

(क) बालिकाएँ नाच-गा रही है। (संयुक्त वाक्य)

(ख) वे मेरे चाचा जी है और पलंग पर लेते है। (मिश्र वाक्य)

(ग) जब विद्यालय पहुँचा घंटी बज चुकी थी। (सरल वाक्य)

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

7. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए-**

करीब आठ बजे खादी भंडार आए तो कांग्रेस ऑफ़िस से फ़ोन आया कि यहाँ बहुत आदमी चोट खाकर आए हैं और कई हालात संगीन है उनके लिए गाड़ी चाहिए | जानकीदेवी के साथ वहाँ गए, बहुत लोगों को चोट लगी हुई थी | डॉक्टर दासगुप्ता उनकी देख-रेख तथा फ़ोटों उतरवा रहे थे | उस समय तक 67 आदमी वहाँ आ चुके थे | बाद में तो 103 तक आ पहुँचे |

अस्पताल गए, लोगों को देखने से मालुम हुआ कि 160 आदमी तो अस्पतालों में पहुँचे और जो लोग घरों में चले गए, वे अलग हैं | इस प्रकार दो सौ घायल जरुर हुए है | पकड़े गए आदमियों की संख्या का पता नहीं चला, पर लालबाज़ार के लॉकअप में स्त्रियों की संख्या 105 थी | आज तो जो कुछ हुआ वह अपूर्व हुआ है | बंगाल के नाम या कलकत्ता के नाम पर कलंक था कि यहाँ काम नहीं हो रहा है वह आज बहुत अंश में धुल गया सोचने लगा गए कि यहाँ भी बहुत सा काम हो सकता है |

(क) घायलों की देख-रेख तथा फ़ोटो उतरवाने का कार्य कौन कर रहा था?

(ख) कलकत्ता के नाम पर लगा कौन-सा कलंक धुल गया था?

(ग) कलकत्ता में हुए संघर्ष की बात सुनकर लोग क्या सोचने लगे?

8. **निम्नलिहित प्रश्नो के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-**

(क) बड़े भाई साहब अंग्रेज़ी के बारे में क्या नसीहत देते रहते थे?

(ख) निकोबार के लोग तताँरा को क्यों पसंद करते थे?

(ग) विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू के झंडा गाड़ने पर क्या प्रतिक्रिया हुई?

9. 'डायरी का एक पन्ना' पाठ का संदेश क्या है?

10. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:**

गिरी का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों-से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर |
गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर
हैं झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर

(क) झरने कैसे प्रतीत हो रहे थे?

(ख) कवि को वृक्ष कैसा दिख रहा था?

(ग) प्रश्नोक्त पंक्तियों का शिल्प सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |

11. 'तोप' शीर्षक कविता का भाव समझते हुए इसका गद्य में रूपांतरण कीजिए |
12. हरिहर काका भोले किसान की अपेक्षा चतुर और ज्ञानी हो गए थे? कैसे?

खण्ड-घ

('लेखन')

13. दिए गए संकेत बिन्दुओ के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए-

    आतंकवाद: एक विश्व्यापी समस्या

    संकेत-बिंदु : (i) आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या (ii) प्रत्येक राष्ट्र के लिए गंभीर चुनौती (iii) आतंकवाद पर काबू पाना आवश्यक|
14. अपने प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए जिसमें फ़ीस में छूट देने के लिए निवेदन हो|
15. ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपनी सलाना बैठक में ग्रेटर नोएडा विस्तार योजना में कुछ संशोधन किया है | इसकी सूचना नागरिकों को देने के लिए 20 से 30 शब्दों में एक सूचना लिखिए |
16. मुंबई पर हुए आतंकवादी हमले को सुनकर दो छात्राओं की बातचीत |
17. आप अपने क्षेत्र में बच्चो के लिए पुस्तक मेला आयोजन कराने हेतु विज्ञापन तैयार करे ताकि अधिक से अधिक बच्चे उसमे आ सके।

आदर्श प्रश्न- पत्र - 4

संकलित परीक्षा - I

विषय - हिंदी 'ब'

कक्षा - दसवी

निर्धारित समय: 3 घण्टे **अधिकतम अंक: 90**

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. **(क)** उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक - बापू की यादें |

   (ख) 30 जनवरी 1948 कि मनहूस संध्या को बनारस के रेलवे स्टेशन पर लेखक को बापू के निधन का समाचार मिला |

   (ग) बापू के निधन का इक्कों, ताँगों और रिक्शों में बैठ चुके लोगों पर यह प्रभाव पड़ा कि वे सभी लोग इक्कों, ताँगों और रिक्शों से उतर कर पैदल चलने लगे |

   (घ) जो मानव अपने साथ परिवार और नगर के लोगों तथा अपने देश के साथ-साथ 'मानव -मात्र की ही नहीं 'प्राणी मात्र' की भी चिंता करता है, वहीं मानव-मानव है |

   (ड) 6 दिसंबर सन् 1945 की शाम को लेखक बापू की व्यस्तता का ख्याल कर उनकी कुटिया के भीतर पैर रखने में हिचकिचा रहा था |

   (च) सेवाग्राम में भोजन के समय पर भोजन न करने का परिणाम यह था कि भोजन के लिए दूसरे दिन तक उसी प्रकार इंतज़ार करना पड़ता था, जैसे रेलगाड़ी छुट जाने पर फिर दूसरी गाड़ी का इंतज़ार करना पड़ता है |

2. **(क)** एटम बम विस्फोट के कारण जापान का नागासाकी शहर जलकर तबाह हो गया था | कवि चाहता है कि एटम बम से भविष्य में कोई अन्य शहर न जले |

   (ख) कफ़न बेचने वालों के दो अन्य कार्य निम्नलिखित हैं -

   (i) बमों और हथियारों का निर्माण करना |

   (ii) शांति की लुभावनी बातें करके धोखा देना |

   (ग) युद्ध ने मनुष्य के संसार को वीरान बना दिया है| कवि को जीवन और सृजन युद्ध से ज्यादा प्यारा है, इसलिए कवि विश्व-शांति की बात कर रहा है|

   (घ) भारत और पाकिस्तान दोनों पड़ोसी देश हैं | वे अनेक बार जंग करके भयंकर नुकसान सह चुके हैं| इन देशों में प्रायः हथियार विदेशों से मंगाएँ जाते है किंतु मरते इन्हीं देशों के निवासी हैं | अब इन देशों को अपनी बर्बादी के कारणों का मंथन करना चाहिए और पने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए युद्धों से दूर रहना है |

खण्ड - ख

(व्याकरण)

3. **(क)** मोहित बीमारों की तरह चल रहा था|

   (ख) उसके आने पर तुम छिप जाना |

   (ग) उसने मझे देखा और खिसक गया |

(घ) मैंने दूध पीया और सो गया |

4. **(क)** कर्मधारय
   (ख) तत्पुरुष
   (ग) तत्पुरुष
   (घ) तत्पुरुष
5. **(क)** रंग दिखाना |
   (ख) ठंडा पड़ना |
   (ग) सुराग नहीं मिलना |
   (घ) दीवार खड़ी करना |
6. **(क)** बालिकाएँ नाच रही है और गा रही है।
   (ख) मेरे चाचा जी वे है जो पलंग पर लेते है।
   (ग) विद्यालय पहुँचने पर घंटी बज चुकी थी।

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

7. **(क)** डॉक्टर दासगुप्ता घायलों की देख-रेख तथा फ़ोटों उतरवा रहे थे |
   (ख) कलकत्ता के नाम परत लगा यह कलंक धुल गया था कि यहाँ स्वतंत्रता का संघर्ष उतने जोश और बलिदान के साथ नहीं लड़ा गया, जितना कि देश के अन्य भागों में |
   (ग) कलकत्ता में हुए संघर्ष की बात सुनकर लोग सोचने लगे कि कलकता स्वतंत्रता संघर्ष से दूर नहीं है| यहाँ भी आज़ादी की लड़ाई हेतु बहुत सा काम हो सकता है |
8. **(क)** बड़े भाई साहब अंग्रेज़ी के बारे में छोटे भाई को यह नसीहत देते रहते थे कि अंग्रेज़ी पढ़ना कोई हँसी-खेल नहीं है | उसे पढ़ने के लिए रात-दिन आँखें फोड़नी पड़ती हैं और खून जलाना पड़ता है | ऐरा-गैरा नत्थू खैरा अंग्रेज़ी नहीं पढ़ सकता | बड़े-बड़े विद्वान भी शुद्ध अंग्रेज़ी नहीं लिख पाते, बोलना तो दूर | अंग्रेज़ी पढ़ने-समझने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है | वे अपना उदाहरण भी देते हैं |
   (ख) निकोबार के लोग तताँरा को उसके साहसी और परोपकारी स्वभाव के कारण पसंद करते थे वह एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था | वह सदा लोगों की सहायता करता रहता था | तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था | वह अपने गाँव वालों की ही नहीं, समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना धर्म समझता था | सभी उसका आदर करते थे | मुसीबत की घड़ी में वह लोगों के पास तुरंत पहुँच जाता था |
   (ग) विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू के झंडा गाड़ने पर पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया | पुलिस ने उनके साथियों को मारा-पीटा तथा भागा दिया |
9. प्रस्तुत पाठ के लेखक सीताराम सेकसरिया आजादी की कामना करने वाल उन्हीं अनंत लोगों में से एक थे | वह दिन-प्रतिदिन जो भी देखते, सुनते और महसूस करते थे, उसे अपनी निजी डायरी में दर्ज़ कर लेते थे | यह क्रम कई वर्षों तक चला | इस पाठ में उनकी डायरी का 26 जनवरी, 1931 का लेखाजोखा है| नेताजी सुभाषचंद्र बोस और स्वयं लेखक सहित कलकत्ता (कोलकाता) के लोगों ने देश का दूसरा स्वतंत्रता दिवस किस जोश-खरोश से मनाया, अंग्रेज़ प्रशासकों ने इसे उनका अपराध मानते हुए उन पर और विशेषकर महिला कार्यकर्ताओं पर कैसे-कैसे जुल्म ढाए, यही सब इस पाठ में वर्णित है | यह पाठ

हमारे क्रांतिकारियों की कुर्बानियों की याद तो दिलाता ही है, साथ ही यह भी उजागर करता है कि एक संगठित समाज कृतसंकल्प हो तो ऐसा कुछ भी नहीं जो वह न कर सके |

10. **(क)** पर्वत से बहते झरने की आवाज ऐसी प्रतीत हो रही थी जैसे वे पर्वतों का गुणगान कर रहे हों|

    (ख) प्रश्नोक्त पंक्तियों में कवि ने पर्वत से बहते झरनों तथा ऊँचे-ऊँचे वृक्षों का वर्णन किया है | कवि लिखता है कि ये झरने मधुर ध्वनि करते हुए पर्वत का गुणगान करते प्रतीत होते हैं | झरने का झागयुक्त पानी मोती की लड़ियों के समान दिख रहा है | इनकी ध्वनि से सहज ही उत्तेजना भर जाती है | पर्वत पर उपस्थित ऊँचे-ऊँचे वृक्ष मानव मन में उठी ऊँची-ऊँची आकांक्षाओं के समान हैं जो अपने लक्ष्य की खोज में मौन, शांत और अटल खड़े हैं |

    (ग) प्रकृति का मानवीकरण कर उसका सुंदर चित्र खींचा गया है| भाषा सरल, सहज, सरस एवं प्रभावकारी है| संयुक्तनिष्ठ शब्दों का कोमल एवं सुमधुर प्रयोग हुआ है| शब्द चयन भावानुकूल है| कवि की कल्पना सजीव एवं बिलकुल नवीन होती है| काव्यांश में मानवीकरण, अनुप्रास, उपमा इत्यादि अलंकारों का अत्यंत सुंदर प्रयोग किया गया है|

11. इस कविता में कवि ब्रिटिश सरकार द्वारा बनाए गए कंपनी बाग के मुहाने पर रखी तोप का संक्षिप्त परिचय देता है | इस तोप का संबंध 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से है | अब यह तोप प्रदर्शन की वस्तु बनकर रह गई है | यह तोप बड़ी महत्त्वपूर्ण है | अतः इसकी बड़ी देखभाल की जाती है | साल में दो बार (15 अगस्त और 26 जनवरी को) इसे चमकाया जाता है | इस तोप को देखने भुत से सैलानी आते हैं | यह तोप अपने परिचय में स्वयं को शक्तिशाली बताती है | उसें अनेक ताकतवर लोगों के परखच्चे उड़ा दिए थे, पर अब यह बच्चों की सवारी के काम आती है | अब इस पर चिड़ियाँ बैठकर गपशप करती है और कभी-कभी इसके मुँह में भी घुस जाती है अर्थात् उनके उनके लिए कोई डर की वस्तु नहीं है | इस तोप की शिक्षा यह भी ही कि कोई भले ही कितना ताकतवर क्यों न हो, एक दिन उसे चुप होकर रह जाना पड़ता है |

12. हरिहर काका एक सीधे-सादे और भोले किसान की अपेक्षा चतुर और ज्ञानी हो चले थे | वह महसूस करने लगे थे कि उनके भाई अचानक उनको जो आदर-सम्मान और सुरक्षा प्रदान करने लगे हैं, उसकी वजह उन लोगों के साथ उनका सगे भाई का संबंध नहीं, बल्कि उनकी जायदाद है, अन्यथा वे उनको पूछते तक नहीं | इसी गाँव में जयदादहीन भाई को कौन पूछता है? हरिहर काका को अब सब नज़र आने लगा था | महंत की चिकनी-चुपड़ी बातों के भीतर की सच्चाई भी अब वह जान गए थे | ठाकुर जी के नाम पर वह अपना और अपने साधुओं का पेट पालता है | उसे धर्म और परमार्थ से कोई मतलब नहीं | निजी स्वार्थ के लिए साधु होने और पूजा-पाठ करने का ढोंग रचाया है | साधु के बाने में महंत, पुजारी और उनके अन्य सहयोगी लोभी-लालची और कुकर्मी हैं | छल, बल, कल, किसी भी तरह धन अर्जित कर बिना परिश्रम किए आराम से रहना चाहते हैं | अपने घृणित इरादों को छिपाने के लिए ठाकुराबारी को इन्होने माध्यम बनाया है| एक ऐसा माध्यम जिस पर अविश्वास न किया जा सके | इसलिए हरिहर काका ने मन ही मन तय कर लिया कि अब महंत को वे अपने पास फटकने तक भी नहीं देंगे | साथ ही अपनी ज़िंदगी में में अपनी जायदाद भाइयों को भी नहीं लिखेंगे, अन्यथा फिर वह दूध की मक्खी हो जाएँगे | लोग निकालकर फेंक देंगे| कोई उन्हें पूछेगा तक नहीं बुढ़ापे का दुख बिताए नहीं बीतेगा | यह उनके व्यक्तित्व में आया एक बड़ा अंतर था |

खण्ड-घ

('लेखन')

13. **"आतंकवाद: एक विश्व्यापी समस्या"**

आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या है| वह सर्वाधिक भयंकर एवं विषाक्त प्रवृत्ति प्रत्येक राष्ट्र के लिए गंभीर चुनौती के रूप में निरंतर उग्र धारण कर रही है| इस समस्या का वास्तविक व अंतिम समाधान अहिंसा द्वारा ही संभव है| आतंकवाद को परिभाषित करना सरल नहीं है क्योंकि यदि कोई पराजित देश स्वतंत्रता के लिए शस्त्र उठाता है तो वह विजेता के लिए आतंकवाद होता है| स्वतंत्रता के लिए भारतीय क्रांतिकारी प्रयास अंग्रेज़ों कि दृष्टि में आतंकवाद था| आतंकवाद एक ऐसी भयंकर प्रवृत्ति है जिसके द्वारा मनुष्य अपनी उचित अथवा अनुचित माँगों को मनवाने के लिए न्यायसंगत अथवा अहिंसात्मक उपायों को छोड़कर आतंक, भय अतवा मारपीट का मार्ग चुनता है| आज समूचा विश्व आतंकवाद की छपत में है| यदि समय रहते अंतर्राष्ट्रीय, समाजिक आड़ विभिन्न स्तरों पर प्रयास करके आतंकवाद पर काबू नहीं पाया गया तो यह समूचे विश्व के लिए घातक सिद्ध हो सकता है|

14. सेवा में,

श्री प्रधानाचार्य जी,

राजकीय माध्यमिक बाल विद्यालय,

पालम |

विषय- फ़ीस में छूट हेतु |

मान्यवर,

निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में दसवीं कक्षा का छात्र हूँ| मेरेपिता जी पिछले वर्ष लोक संपर्क विभाग से चौकीदार पद से अवकाश मुक्त हो गए हैं | उनकी पेंशन बहुत मामूली है जबकि अभी परिवार का सारा बोझ उन पर है | मेरे अतिरिक्त, मेरेदोभाई और बहन भी पढ़ते हैं | हमारी फीस में पिता जी की पेंशन का अधिकांश भाग निकल जाता है | मैं हर वर्ष कक्षा में प्रथम आता हूँ| मैंसांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेता हूँ | मेरे व्यवहार से सभी अध्यापक संतुष्ट है | अतः कृपा करके मेरी फीस माफ करने का कष्ट करें ताकि मैं अपनी पढ़ाई जारी रख सकूँ | आपकी अति कृपा होगी |

सधन्यावाद |

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

मोहित अग्निहोत्री

कक्षा दस

15. **ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण**

169, चितवन एस्टेट, सेक्टर-गामा, ग्रेटर नोएडा सिटी, गौतम बुद्ध नगर

वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.in इमेल: authority@gnida.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में ग्रेटर नोएडा विस्तार विस्तार महायोजना- 2013 में कतिपय संशोधन अनुमोदित किए गए हैं | अनुमोदित संशोधनों का संक्षिप्त विवरण वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.in पर उपलब्ध है | उपरोक्त संशोधनों पर यदि कोई आपत्ति/सुझाव हों तो सूचना प्रकाशित की तिथि से 15 दिन के अंदर प्रातः 9.30 बजे से 6.00 बजे तक

प्राधिकरण के कस्टमर रिलेशन सेल पर महाप्रबंधक को संबोधित करते हुए लिखित रूप से प्रेषित किया जा सकता है |

मुख्य कार्यपालक अधिकारी

16. **श्रद्धा -** पूजा! कल मुंबई पर जो आतंकवादी हमला हुआ, उसे सुनकर तुम्हें कैसा लगा?

पूजा - श्रद्धा ! यह समाचार तो दिल दहलाने वाला है| मासूम एवं निर्दोष लोगों पर गोली चलाकर आतंकवादियों ने बहुत लोगों को मार दिया |

श्रद्धा - आतंक फैलाने वालों को बच्चों, विधवाओं तथा महिलाओं पर भी तरस नहीं आता है |

पूजा - इन्हें किसी से कोई मतलब नहीं| इनका एक ही उद्देश्य है कि दहशत फैलाई जाए |

श्रद्धा - सुना है इन आतंकवादियों का न कोई ईमान है न धर्म |

17.

22 वां दिल्ली, पुस्तक मेला

दिनांक: 15 सितम्बर से 20 सितम्बर तक

समय: सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक

विभिन्न विषयो की पुस्तकों की बहार और दस प्रतिशत की आकर्षक छूट

- साहित्य
- विज्ञान
- संस्कृति
- दर्शन
- इतिहास
- कॉमिक्स

पता: हॉल नंबर - 14, राज मैदान, उत्तम नगर, नई दिल्ली